दिनांक: 12.06.2025

प्रेस विज्ञप्ति

मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश की कल्चरल कमेटी द्वारा डॉ. गौर हरि सिंघानिया जी के जन्मदिवस की पुण्य स्मृति के अवसर पर “भूले-बिसरे गीत (मधुर गीतों की संगीतमय शाम)” का आयोजन किया गया।

इस सांस्कृतिक संध्या से पूर्व चिलचिलाती उमस भरी गर्मी में प्रातः 11:00 बजे से सायंकाल 05:00 बजे तक शरबत वितरण का आयोजन आमजन हेतु किया गया, जिसमें लगभग 4500 राहगीरों ने मीठे व ठंडे शरबत का आनंद लिया तथा चैम्बर की इस पुण्य कार्य के लिए भूरि-भूरि प्रशंसा की।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मर्चेंट्स चैम्बर के पूर्व अध्यक्ष - डॉ. इंद्र मोहन रोहतगी, अनिल अग्रवाल, ए के सराओगी, प्रेम मनोहर गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर स्वर्गीय डॉ. गौर हरि सिंघानिया जी को श्रद्धासुमन पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करी।

डॉ. इंद्र मोहन रोहतगी ने स्वागत भाषण दिया एवं स्वर्गीय डॉ. गौर हरि सिंघानिया जी के बारे में लोगों को जानकारी दी|

इसके पश्चात कल्चरल कमेटी के चेयरमैन - स्वतंत्र सिंह जी द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम “भूले-बिसरे गीत” में भव्य गीतों की श्रृंखला का संचालन किया गया।

सबसे पहले हमारी भारतीय सेना को समर्पित करते हुए अरुण दास-वर्षा दास ने 'मांगो का सिन्दूर न बिगड़े...', गाने पर प्रस्तुति देते हुए कार्यक्रम का आगाज किया |

समृद्धि ने 'सत्यम शिवम सुंदरम...', कपिल शर्मा ने 'फिर वही शाम वही दिन...', अंजलि ने 'मेरा दिल ये पुकारे आजा....', अरुण दास ने 'चाहूंगा मैं तुझे सांझ सवेरे....', वर्षा दास ने 'कहीं दीप जले कहीं मेरा दिल.....', प्रियांशी ने 'आएगा आएगा आने वाला....', गाने पे प्रस्तुति दी| डुएट गानों पे प्रस्तुति देते हुए कपिल-वर्षा ने 'ये राते ये मौसम नदी का किनारा....', अरुण-वर्षा ने 'अभी न जाओ छोड़कर ....', अत्यंत ही खूबसूरती से श्रोतागणों के सामने प्रस्तुत किया | इस कड़ी में शशांक दीक्षित ने 'अर्जिया सारी....', 'शानवी ने 'थाड़ें रहियो ओ बांके....', समृद्धि ने 'वो भूली दास्ताँ जो फिर याद....', गाने पे प्रस्तुति दी |

कार्यक्रम के अंत में फरमाइश गीतों का भी सत्र आयोजित किया गया जिसमें सदस्यों ने अपने पसंदीदा गीतों का भरपूर आनंद लिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में में डॉ जे एन गुप्ता, विजय पांडे, शेष नारायण त्रिवेदी, बासु जैन, अक्षय गुप्ता, विश्वनाथ गुप्ता, गुलशन धूपर, तथा मर्चेंट्स चैम्बर के सदस्यगण तथा कानपुर के गणमान्य नागरिक सपरिवार उपस्तिथ रहे |